

हमारे आचार्य , वैज्ञानिक, शिक्षक और ऋषि मुनि हमारी शक्ति हैं :

पद्म विभूषण प्रोफ. एम् एम् शर्मा

ज्ञान सरोवर (आबू पर्वत), 16 सितंबर 2016। आज ज्ञान सरोवर स्थित हार्मनी हॉल में ब्रह्माकुमारीज एवं आर ई आर एफ की भगिनी संस्था , स्पर्क के संयुक्त तत्वावधान में एक **अखिल भारतीय सम्मेलन** का आयोजन हुआ। सम्मलेन का मुख्य विषय था - " **विगत की शक्ति और भविष्य का बल** ". इस सम्मलेन में भारत और नेपाल से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने भाग लिया . दीप प्रज्वलित करके इस सम्मेलन का उद्घाटन सम्पन्न हुआ।

आई सी टी / यू डी सी टी / यू आई सी टी के पूर्व प्राचार्य पद्म विभूषण डॉक्टर एम् एम् शर्मा जी ने कहा की विगत की हमारी शक्ति हैं हमारे आचार्य , वैज्ञानिक, शिक्षक और अन्य ऋषि मुनि आदि . हमेशा हम उनसे ही सीखते आये हैं . शिक्षकों का कार्य है संसार को और खाश कर अपने विद्यार्थियों को प्रेरित करना ना की धनोपार्जन करना . हमारा शरीर और इसके विभिन्न अंग भी हमें गहराई से हमें प्रेरित करते हैं . हृदय , किडनी , लिवर आदि से अंत हीन प्रेरणा हमें प्राप्त होती है . विश्व विद्यालयों में हमारे सभी नोबेल लॉरेट को प्रेरणा इन्ही से प्रेरण प्राप्त हुई है और उन्होंने समाज को बेहतर बनाने के लिए काफी कुछ किया . आईन्स्टीन अत्यधिक आध्यात्मिक थे और ईश्वर के प्रति मन में असीम आस्था थी . प्रकृति भी काफी बलशाली है और हमें विभिन्न तरीके से प्रेरित कर रही है . हम प्रकृति से भी काफी कुछ सीख सकते हैं . ये सभी हमारे शक्ति स्रोत हैं .

न्याय मूर्ति श्री रविन्द्र सिंह जी ने कहा की हिस्ट्री ही हमारे पास्ट के बताती है . हमारा गौरव मई इतिहास था . बाद में अनाचार का दौर आया . हमारे ऋषियों मुनियों को सताया गया . आज 50 प्रतिशत लोगों को जीने का साधन तक नहीं है . उनके बारे में भी हमें विचार करना होगा . आध्यात्म के द्वारा हम अपने समाज को कैसे विकसित करें - ये एक मुख्य प्रश्न है . इस पर विचार करना होगा . आध्यात्म में भविष्य की शक्ति निहित है . इसको अपना कर ही सबका भला हो पायेगा .

मुख्य अतिथि **वसवराज पाटिल जी, नीति आयोग के सदस्य** ने आज के अवसर पर कहा की मैं यहां मुख्य अतिथि के रूप में नहीं बल्कि डेलिगेट के रूप में आया था . मैं भी एक सामाजिक कार्यकर्ता हूँ . स्पर्क की कोर टीम से मिल कर खुशी हुई है . इस संस्थान की सेवा वृत्ति महान है . आध्यात्म के आधार पर समाज सेवा का कार्य महान कार्य है . इतिहास से जो प्रेरणा मिलती है वह है हमारी विगत की पावर . इससे हमारी जीवन शैली विकसित होती है .

समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज़ ब्रह्मा कुमारिस के प्रयत्नों से सामने आ सकती है . अगर ऐसा नहीं हुआ तो भविष्य अंधकार मय हो जायेगा . संस्कृति और समृद्धि का संतुलन ही सही विकाश है . विगत से सीख कर भविष्य की शक्तियों का निर्माण किया जाना चाहिए .

पद्म श्री डॉक्टर आर बी हशूर, सी बी इ एस एटॉमिक एनर्जी तथा मुम्बई विश्वविद्यालय के निदेशक ने कहा की मेरा यहां का अनुभव अति उत्तम है . यहां में खुद प्रेरित हो रहा हूँ . आध्यात्मिकता से परिपूर्ण है यहां का वातावरण . ईमानदारी हर व्यक्ति की लिए आवश्यक है . प्रगति के लिए . चात्रक होना भी एक बड़ी शर्त है . इनके बिना विकाश सम्भव नहीं है . आध्यात्म ये सारी बातें हमें सिखाता है . आज की शिक्षा व्यवस्था में आध्यात्म गायब हुआ है - मगर पारिवारिक रूप से हम सभी को वह प्राप्त होता रहा है . आध्यात्म और विज्ञान दोनों को सीखना जरूरी है विकाश के लिए . सभी सुखी हों - यही कामना है .

संस्थान के कार्यकारी सचिव और शिक्षा प्रभाग के वाईस चेयर पर्सन **राजयोगी मृत्युंजय जी** ने आज के अवसर पर अपने उदगार प्रकट किये . आपने कहा की शक्ति का अर्थ लोग धन शक्ति , शारीरिक शक्ति , राजनैतिक शक्ति आदि माना जाता है . मगर इन शक्तियों ने लोगों को क्या दिया ? कुछ नहीं . शक्ति दरअसल है शांति की शक्ति , प्रेम शक्ति , आनंद की शक्ति और सहयोग की शक्ति . इन शक्तियों की प्राप्ति के लिए आध्यात्मिक प्रयोग किया जाना चाहिए . स्पार्क के द्वारा विगत 20 वर्षों से ऐसे प्रयोग किये जा रहे हैं . आध्यात्मिक शक्ति के द्वारा ही समाज को सुखमय समाज बनाया जा सकता है . आध्यात्मिकता सभी शक्तियों से उत्तम शक्ति है . ईश्वर पर ध्यान केंद्रित करके आध्यात्मिक शक्ति को अपना सकते हैं और उसको बढा भी सकते हैं . ये एक प्रमाणित सत्य है की हिंसा की शक्ति का जवाब है अहिंसा की शक्ति . बुद्ध ने - गाँधी ने और अनेक धार्मिक नेताओं ने अनेक बार इस बात की सच्चाई को साबित किया है .

डी आर डी ओ डेल्ही में **वैज्ञानिक सुशील चंद्र जी** ने स्पार्क के बारे में चर्चा की . बताया की यह 1995 से ही कार्य रत है . इस विंग में आध्यात्मिकता से सम्बंधित प्रयोग किये जाते हैं जो मानव को और समाज को श्रेष्ठ बनाती हैं . मूल्यों के प्रतिस्थापन के लिए कौन सी विधियां अपनायी जाएँ - इस पर प्रयोग किये जाते हैं . **सुशील चंद्र** ने राजयोग से प्राप्त वैज्ञानिक शोधों के परिणामों के बारे में भी जानकारी प्रदान की .

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर रजत मूना , डी जी , सी -डी ए सी , मुम्बई ने कहा की यह सम्मेलन मेरे लिये आँखें खोलने वाली हैं . आपका आभार व्यक्त करता हूँ . ज्ञान एक बड़ी शक्ति है . विगत से सीख कर भविष्य का निर्माण किया जाना चाहिए . सम्मलेन की थीम काफी सुन्दर है . प्राचीन काल के हमारे शिक्षक बड़े आध्यात्मिक साधक हुआ करते थे . उनसे हमें सर्वांगीण शिक्षा प्राप्त होती रही . आज उसमे बदलाव आने से स्थिति बदली है . इसमे सुधार की जरूरत है . आज की शिक्षा प्रणाली को भी आध्यात्मिकता से युक्त करना होगा .

स्पार्क विंग की राष्ट्रीय संयोजक **राजयोगिनी अम्बिका दीदी** ने आये हुए अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया . आपने सम्मेलन की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला . आपने कहा की हमारा विषय काफी सारगर्भित हैं . हमें विगत को भुला कर ईश्वरीय शक्तियों की मदद से भविष्य में आध्यात्मिक शक्तियों को पूरा पूरा ग्रहण करना होगा और जीवन को मूल्यों से भरना होगा .

डॉक्टर सुमन वाला शर्मा, एन आई पी एस , पंजाब की प्रिंसिपल जी ने कहा की आध्यात्मिक स्वास्थ्य को नहीं समझने के कारण हम अभी तक सभी के लिए स्वास्थ्य प्राप्त नहीं कर पाए हैं . राजयोग के प्रयोग से बन्द धमनियां खुल जाती हैं . ये मैंने देखा है . यहां के छोटे प्रवास के बाद से ही मेरे बच्चे मुझे सन्यासी मानने लगे क्योंकि उन्होंने कहा की मैं अब शांत हो गयी हूँ और गुस्सा नहीं कर रही . ये सब मेरे लिए काफी बल प्रदान करने वाला रहा . आज मैं इसका अभ्यास कर रही हूँ . आध्यात्म को अपना कर जीवन को मूल्यों से युक्त किया जा सकता है - ये मेरा अनुभव है . आध्यात्मिकता आपको शक्तिशाली बना कर समाज को फेस करने की शक्ति प्रदान करता है .

स्पार्क ,डेलही जोन की संयोजक ब्रह्मा कुमारी सरोज बहन ने पधारे हुए अतिथियों का स्वागत किया . स्पार्क विंग की जोनल संयोजक ब्रह्मा कुमारी अलका बहन ने योगाभ्यास करवाया . मधुर वाणी ग्रुप ने सुन्दर भाव प्रवण गीत प्रस्तुत किया . नृत्य भी प्रस्तुत किया गया . भाई बी के श्रीनिधि ने मंच का सञ्चालन किया और प्रोफ बी के डॉक्टर विपिन कांटेक्टर ने धन्यवाद ज्ञापन किया . (रपट : बी के गिरीश , ज्ञान सरोवर , मीडिया)